खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. "केशवदास ने मार्मिक स्थलों को भली-भाँति पहचाना है।" इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए।

11. भरतमुनि के रससूत्र की व्याख्या करते हुए रस के महत्व को समझाइए।

12. रीतिकाल की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का वर्णन कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) श्लेष

(ii) रूपक

(iii) मालिनी

(iv) शब्द-शक्ति

HD–01

December – Examination 2022

B.A. (Part–I) Examination

HINDI SAHITYA

हिन्दी पद्य भाग-I (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य)

Paper : HD-01

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) आदिकाल को रामचन्द्र शुक्ल ने क्या नाम दिया ? उसका संवत् बताइए।

(ii) हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग किस काल को कहा जाता है ?

(iii) कबीर के रहस्यवाद पर किस दर्शन का सर्वाधिक प्रभाव पड़ा ?

(iv) दादू पंथ की मूल भावना क्या है ?

(v) सूफी मत के प्रतिनिधि कवि कौन हैं ?

(vi) रसखान का प्रेम-दर्शन किस पद्धति पर आधारित है ?

(vii) सूरदास के काव्य में किस रस की प्रधानता है ? उनकी भक्ति किस भाव की है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. स्वच्छन्द काव्यधारा के कवियों में घनानन्द का महत्व बताइए।

3. मीराँ के विरह-वर्णन की सोदाहरण संक्षेप में समीक्षा कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

रहिमन ओछे नरन ते, तजौ बैर अरु प्रीति।
काटे-चाटे स्वान के, दुहू भाँति विपरीति॥
रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गये न ऊबरे, मोती मानस चून॥

5. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

एक दिवस पून्यो तिथि आई। मानसरोदक चली नहाई॥
पद्मावती सब सखी बुलाई। जनु फुलवारि सबै चलि आई॥
कोई चंपा कोई कुंद सहेली। कोई सु केत, करनारस बेली॥
कोई गुलाल सुदरसन राती। कोई सो बकावरि-बकुचन भाँती॥
कोई सो मौलसिरि, पुहपावती। कोई जाही जूही सेवती॥
कोई सोनजरद, कोई केसर। कोई सिंगार-हार नागेसर॥
कोई कूजा सदबर्ग चमेली। कोई कदम सुरस रस-बेली॥
चली सबै मालती संग, फूली कवँल कुमोद।
बेधि रहे गन गंधरब, बास-परमदामोद॥

6. तुलसी के काव्य में समन्वय की भावना विद्यमान है। स्पष्ट कीजिए।

7. कबीर के रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

8. सूरदास के काव्य में जो वात्सल्य वर्णन है वह अन्यत्र दुर्लभ है। स्पष्ट कीजिए।

9. दादूदयाल की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिए।